



77
—
Babu Bansal

77th BIRTHDAY CELEBRATION

- 24 POEMS BY VIKAS BANSAL -



ये दरङ्जन जो खड़ा है....

सचमच बहुत बड़ा है, ये दरङ्जन जो खड़ा है
सहा है जाने क्या क्या, तूफानों से लड़ा है

ये दरङ्जन जो खड़ा है....

लगाया था पौधा किसी ने प्यार से सीचा था
दिखता हमें बस ऊपर, ज़मी में भी ये गड़ा है

ये दरङ्जन जो खड़ा है



परस्कार की नहीं अभिलाषा, नई है ये परिभाषा
मेहनत, लगान से वो सफलता की सीढ़ी चढ़ा है

ये दरङ्जन जो खड़ा है

नए पौधे बहुत सारे, रास्ता उनको दिखाते हैं ये
उनके लिए इस दरङ्जन का तजुरबा बहुत बड़ा है

ये दरङ्जन जो खड़ा है

भेद भाव कभी नहीं किया, सबको बराबर दिया
हिला नहीं सकता कोई वजूद बहुत तगड़ा है...

ये दरङ्जन जो खड़ा है



समय बदल गया पर ये कभी भी नहीं बदला
बातें करता धरती से आसमां तक ये उड़ा है ..

ये दरङ्जन जो खड़ा है

सचमच बहुत बड़ा है, ये दरङ्जन जो खड़ा है
सहा है जाने क्या क्या, तूफानों से लड़ा है



77th BIRTHDAY
CELEBRATION



इलाहबाद से मुत्रा, और मत्रा से इलाहबाद कभी नहीं दूर
गिरा सब दीवार कठनाइयाँ की हो गए वो बहुत मशहूर
किया परिश्रम, रहे दूर घर से, ज़िन्दगी से इंकलाब का फरमान
आये पंत जी घर पर देखा जो तो दे गए अमिताभ उनको नाम
मिल जुल कर रहे हमेशा, द्वेष घृणा से दूर, लिया दिया बस प्यार
करते याद आज भी वो अपना घर जिसमें हुआ करते थे दशोद्वार

कोई कहता कद है ज्यादा लम्बा, ज़ैचती नहीं तुम्हरी यहाँ आवाज़
जरीर से हुआ कमाल गुस्सैल युवक का भा गया सबको अंदाज़
न था कभी अभिमान खुद पर तो दे दिया मिली को विवाह का प्रस्ताव
हुये अभिषेक, श्वेता तो हो गया परिवार पूरा होने लगे रस्मो रिवाज़
लगी चोट तो स्तब्ध हिंदुस्तान, वीरान, सनसान, दौर वो था प्रार्थनाओं का
हरा दिया मौत को दिखा दिया ज़िन्दगी नाम है नित नई आशाओं संभावनाओं का
सफलता जब मिलती तो सुख दुख साथ चलते, जीवन के रंग बदलते
राजनीति की, हुए सफल, पर बदल गया पथ, अग्निपथ पर चलते चलते
सफलता, असफलता, आशा, निराशा पर साथ सबकी मोहब्बतों का रहा
हिला दिया हिंदुस्तान जब उन्होंने स्वागत, आभार, अभिनंदन हर घर को कहा
इलाहबाद से सोपान का सफर प्रतीक्षा, जलसा, जनक पर लिया विराम
कर रहे राज करोड़ो दिलों पर, जमा होते हज़ारो देखने को वो हाथ, मुस्कान
जटिल है मानव जीवन, चलता जाता, कठिन होती डगर और कठिन संरचना
गर्व करते बाबू जी कहा करते कि अमिताभ मेरी सबसे खूबसूरत रचना

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



नहीं जानते हम कि आप हमारे क्या हैं
दोस्त हैं, मार्गदर्शक हैं, या फिर सखा हैं
मिल जाती हमें जहाँ भर की खुशियाँ
बहुमूल्य, अनमोल आप वो लम्हा हैं
कह लेते सब व्यथा आपसे और फरमाइशों
आप कमाल, अद्भुत, सुखद जज्बा हैं
नहीं चाह और कछ भी पाने की हमें
दुनिया के सबसे बड़े परिवार के मुखिया हैं
कहने को तो कोई नाम नहीं होता रिश्तों का
पर आप अनमोल, अनसुना सा रिश्ता हैं
बहुत आये यहाँ और आ कर चले गए
गजब रिश्ता जो कभी किसी ने न सुना है
मोती है हम सब जगह जगह से जुड़े हुए
बनी माला जिसमें पिरोकर आप वो धागा हैं
नहीं जानते हम कि आप हमारे क्या हैं
दोस्त हैं, मार्गदर्शक हैं, या फिर सखा हैं

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
77वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

77

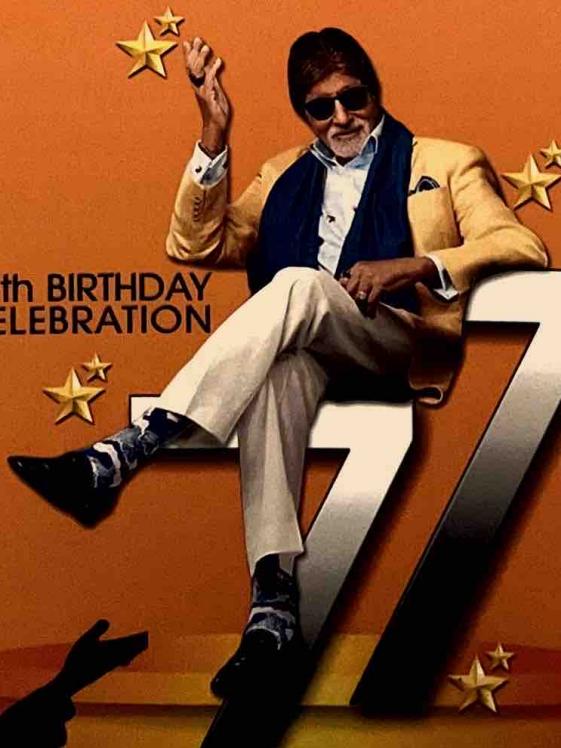
ये मोहब्बत उद्धारण है सर जी के प्यार का
तभी हुआ है निर्माण हमारे इस परिवार का !

हर किसी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ वो देते
कभी कभी RT भी तरीका है उनके इज़हार का
जाओ जो कभी मिलने, तो मिलने बुला लेते हैं वो
हाथ हिलाते वो, बुलाते वो, होता दृश्य रविवार का
कोई बनाता चित्र, तो कोई लिखता शेर, कविता
मुस्कुराहट उनकी मिलना जैसे हो पुरस्कार का
करते रहते बातें उनकी खत्म नहीं जो कभी होती
सच में बड़ा मज़ा आता है ब्लॉग के इंतज़ार का
पीकू पीकू करते रहे और चाल वजीर की चली खूब
Te3n और Pink में करिश्मा चल गया आपके किरदार का
ये मोहब्बत उद्धारण है सर जी के प्यार का
तभी हुआ है निर्माण हमारे इस परिवार का !

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

77वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ !! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



आईनों में बस तेरा अक्स निहारा करते हैं
ना मालूम तेरे बिन हम कैसे गुज़ारा करते हैं

जब पूछते लोग मेरी बेख़दी का आलम क्या
हम बस तेरी तस्वीरों की तरफ़ इशारा करते हैं

घड़ियाँ भी तेरा इंतज़ार कर कर के थक गईं
हम पल पल हर पल इंतज़ार तुम्हारा करते हैं

माना तुझे मेरी बातों पर यकीन ना भी हो
तेरी मुस्कुराहट को जीने का माना सहारा करते हैं

तेरे घर को जाएँ वो तंग गलियाँ भाती हमको
जहाँ तू न हो ऐसे महलों से हम किनारा करते हैं

हमें तो सब कुछ मिल जाता है इतवार के इतवार
होता जलसा जब घर पे आप हाथ से इशारा करते हैं

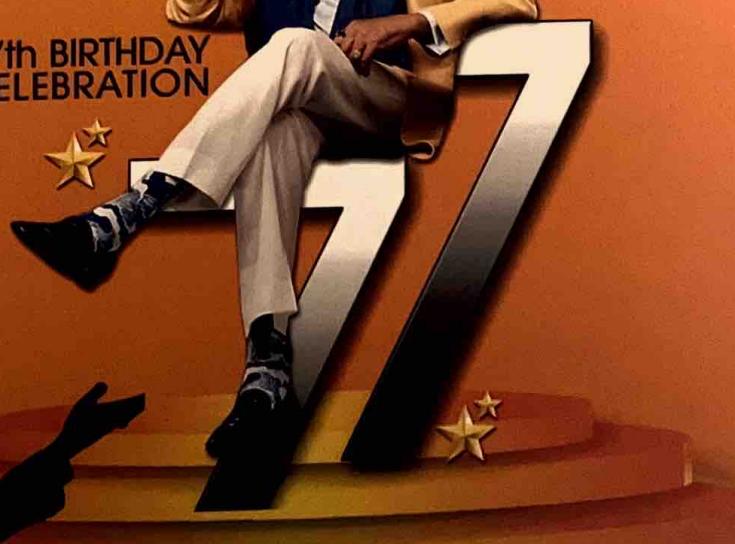
आईनों में बस तेरा अक्स निहारा करते हैं
ना मालूम तेरे बिन हम कैसे गुज़ारा करते हैं

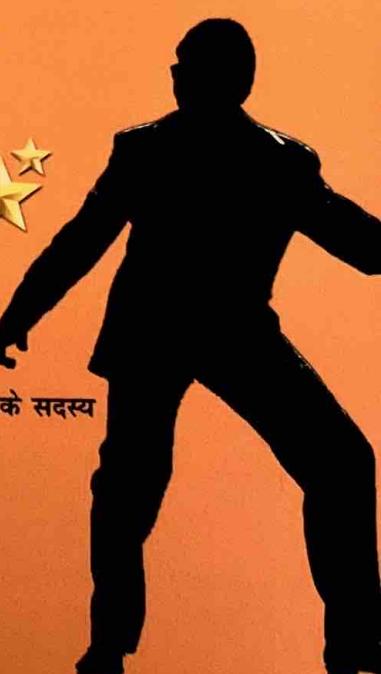
बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION





आप तो खुद में एक समां है
जानकर क्या करेंगे हम कि आप कहाँ है
आप दिलों में करते हैं राज हमारे..
भूलना नामुमकिन आप कहकशां है
वैसे तो कोई भी ऐब नहीं हममें आपके सिवा...
खुमारी है छाई हम पर आप नशा है

हम नहीं पहचान हैं आप परिवार की...
आप ही वजूद हमारा, आप निशां हैं
भटक रहे थे इधर उधर प्यार की तलाश में...
मिल गया रास्ता, आप मंज़िल, दिशा हैं
रहते बैचैन दिन भर राते भी न कटती हमारी...
करते जिसका इंतज़ार आप वो संदेशा है
जनक आप हमारे रहते गुलमोहर की छाँव में...
मनसा आप हमारी, प्रतीक्षा आप, आप जलसा है
आप तो खुद में एक समां है
जानकर क्या करेंगे हम कि आप कहाँ है
आप दिलों में करते हैं राज हमारे..
भूलना नामुमकिन आप कहकशां है

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



सच्चे, सरल बहुत प्यारे हैं आप
खुदा का शुक्र कि हमारे हैं आप
विश्वास और अहसास हैं आप
दिलों में बसते बहुत ख़ास हैं आप
हिम्मत, शिद्दत, दिलासा हैं आप
दिलों को जीतने वाली भाषा हैं आप
आँखे चाहें देखना वो सखद नज़ारे हैं आप
सच्चे, सरल बहुत प्यारे हैं आप
खुदा का शुक्र कि हमारे हैं आप

न हों बातें तो सो नहीं सकते आप
ऐसा नहीं कोई जिसके हो नहीं सकते आप
पढ़ते हम चाव से जब लिखते आप
हम सब दरिया साथ बहते किनारे हैं आप
सच्चे, सरल बहुत प्यारे हैं आप
खुदा का शुक्र कि हमारे हैं आप

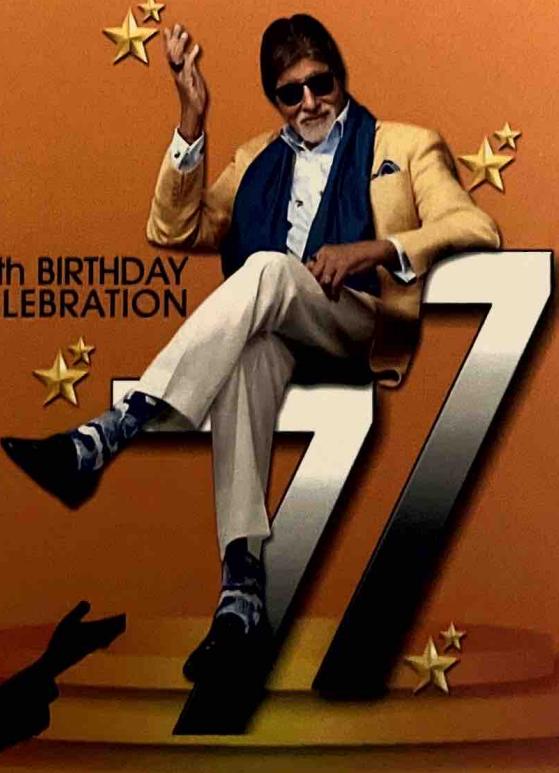
गलमोहर की छाँव में जलसा है आप
प्रतीक्षा में सोपान का मज़ा सा है आप
वो हाथ का इशारा, इंतज़ार है आप
करते हम इंतज़ार वो रविवार है आप
परिवार के मुखिया राज दलारे हैं आप
सच्चे, सरल बहुत प्यारे हैं आप
खुदा का शुक्र की हमारे हैं आप

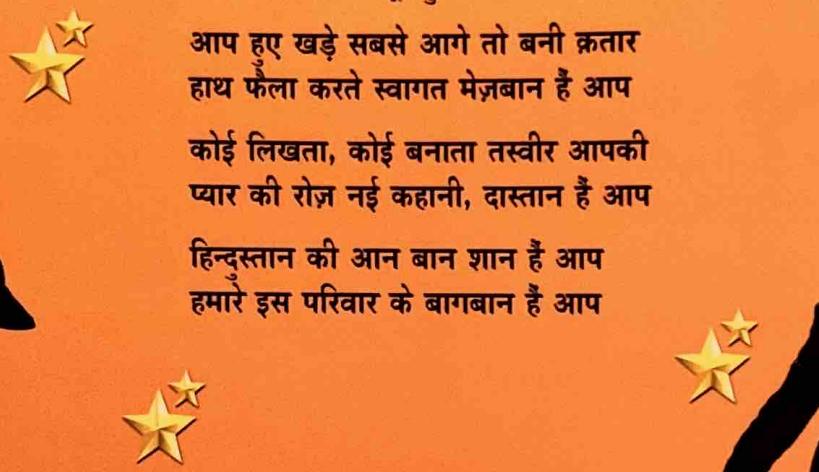
बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION





हिन्दस्तान की आन बान शान है आप
हमारे इस परिवार के बागबान हैं आप

जुड़ गए हम सब कैसे बन गया परिवार
हम सबकी आवाज़, पहचान है आप

जिक्र करना हमारा नहीं भूलते आप कभी
हमारी पूजा, इबादत, अज्ञान है आप

हम होते खुश मिलता प्यार आपसे हमें
हमारे दिल का सकूं, मुस्कान है आप

आप हाए खड़े सबसे आगे तो बनी क्रतार
हाथ फैला करते स्वागत मेजबान है आप

कोई लिखता, कोई बनाता तस्वीर आपकी
प्यार की रोज़ नई कहानी, दास्तान है आप

हिन्दस्तान की आन बान शान है आप
हमारे इस परिवार के बागबान हैं आप

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

प्यारा इतना है वो लोग जी भर के देखते हैं
सुना है इतवार को लोग ठहर ठहर के देखते हैं
दिलों पे राज करता है और होता है जलसा वहाँ
सुना है लोग उसकी गली से गुज़र गुज़र के देखते हैं
चाँद तो है एक ही उस आसमान में अकेला
सुना है तारे उसे ज़मी पे उतर उतर के देखते हैं
मँह से कुछ भी निकलता नहीं जब आ जाते वो सामने
सुना है लोग उन्हें आहे भर भर के देखते हैं
आइना भी परेशान हो जाता इस क़दर कभी कभी
सुना है लोग उसे सँवर सँवर के देखते हैं
सिर झूँका लेते हैं हम सजदे में, नज़र नहीं मिलती
सुना है प्यार करने वाले दिल की नज़र से देखते हैं

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
77वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

अंदाज़ आपका अतुलनीय, मिट्टी से अपनी करते प्यार
तारीफ़ आपकी क्या करें, भगवान ने दिया हमें आप जैसा उपहार

असर आपने हम पे छोड़ा, मिलते रहे, किसी का दिल न तोड़ा
ताज्जब हमें आपकी कार्य शक्ति पे, भाषा से आपने दिलों को जोड़ा

अक्सर सोचता हूँ लिखूँ, मिलते नहीं शब्द आपकी तारीफ़ के लायक
ताक्रत है आप हम सबकी, भारत के सबसे बड़े नायक

अकेला मैं नहीं, करोड़ो हैं आपके चाहने वाले
मिलने को रहते सब बेकरार
ताना बाना बनता जलसा में, भवन में आप करते स्वागत हर रविवार

अद्भुत आपका व्यक्तित्व, मिलती खुशबू जैसे हो चंदन
ताक्रत प्यार की आपके पास, भरपूर खुशी से करते आपका अभिनन्दन

अनगिनत है सितारे इस जहाँ में, मिलता आप सा कोई सितारा नहीं
ताक्रत पूरी लगा देते आप काम में,
भरपूर लगाव आप से, और कोई हमें गवारा नहीं

अभिलाषाएं तो मन में बहुत हैं, मिलते मुझे अल्फाज़ नहीं
तराना गाते गज़ब का, भारी आपकी जैसी किसी की आवाज़ नहीं
अंदाज़ आपका अतुलनीय, मिट्टी से अपनी करते प्यार
तारीफ़ आपकी क्या करें, भगवान ने दिया हमें आप जैसा उपहार

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

आप हमारे दिलों के शहंशाह हैं,
कुछ पंक्तियाँ और प्रस्तुत कर रहा हूँ:
आपके लिए मेरे प्यार की इंतहा नहीं कोई
आपके सिवा मेरे दिल में शहंशाह नहीं कोई!

आप मिलें न मिलें, मैं आपसे रोज़ मिल लेता हूँ
क्या कहेगा ज़माना मुझे परवाह नहीं कोई!

मिलता प्यार आपसे जो और कोई दे नहीं सकता
आपके दिल में जगह, सुन्दर और पनाह नहीं कोई!

आप काम करते, हँसते तो हम खुश हो जाते हैं
चमके न देख के आपको ऐसी निंगाह नहीं कोई!

लिखता तो बहुत हूँ, आये पसंद आपको तो बात हो
आपका मिले आशीर्वाद, उससे बड़ी वाह वाह नहीं कोई!

आपके लिए मेरे प्यार की इंतहा नहीं कोई
आपके सिवा मेरे दिल में शहंशाह नहीं कोई!

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



सितारे बहुत आसपाँ में
पर आप जैसा सितारा कहाँ

नज़ारे बहुत उस जहाँ में
पर आप जैसा नज़ारा कहाँ



मिलते हमसे रोज़ आप
आपको हमसे और कोई प्यारा कहाँ

भीड़ लगी रहती रविवार को
हाथ हिलाने जैसा और कोई इशारा कहाँ

मैं मिला नहीं पर पास हो आप मेरे हर पल
दूर करना आपसे मुझको गवारा कहाँ

मिल के मानूँगा और आप बुलाएँगे
है उम्मीद मुझे अभी मैं हारा कहाँ



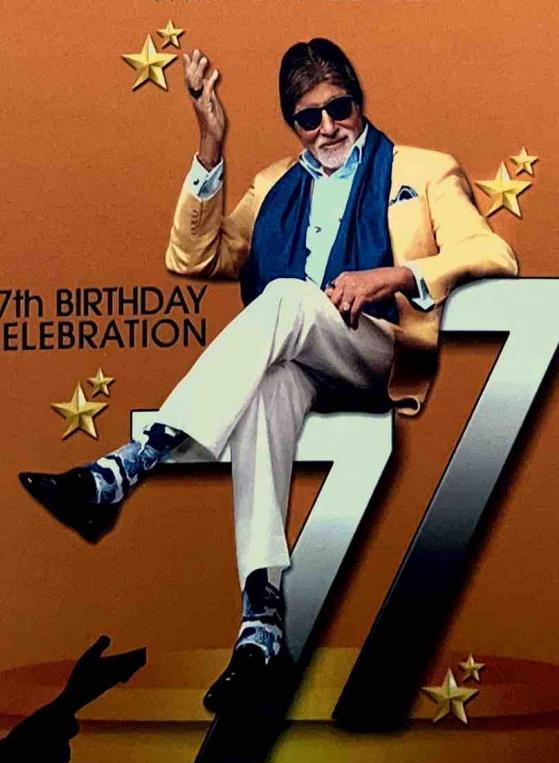
उम्मीद कि मैं आपके बुलावे पे आपसे मिलने आऊँगा,



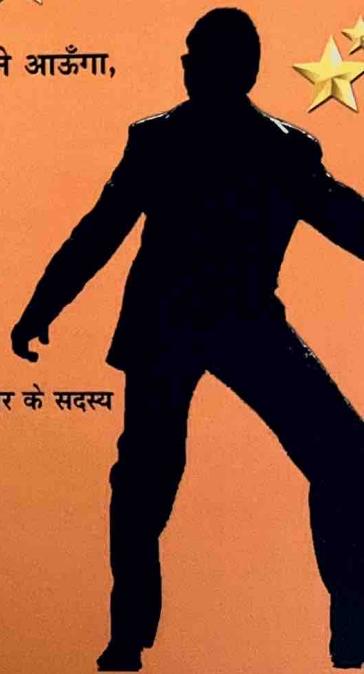
बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam



77th BIRTHDAY
CELEBRATION



पड़ी न थी नज़र उनकी, पर हमें अपना बनाया था
ऐसा लगा उन्होंने वो हाथ मेरे लिए हिलाया था

एक ही दिन होता और सब मिलना चाहते आपसे
ऐ मेरे खुदा तूने क्यों बस एक इतवार बनाया था ?

मेरी चाहत के बारे में सब जानते थे यहाँ पर
डरता था शायद मैं इसलिए बस तुझसे छुपाया था

कहने को तो बहुत मिले मुझे वादा करने वाले यहाँ
बस एक तू ही है जिसने अब तलक साथ निभाया था

देख के तुझे खुश होता,
सोचता रहा तुझसे मिलने के बारे में

रो रहा था मैं, जब मेरे शब्दों को आपने सुनाया था

भूल नहीं सकता मैं वो दिन, वो पल, वो मेरी क्रिस्मस
जिस दिन पहली बार आपने मुझे गले लगाया था

प्रतीक्षा खत्म, जलसा शुरू थी छाँव गुलमोहर की
चाहने वालों की भीड़ में मुझे मेरे नाम से बुलाया था

इससे ज्यादा मांग नहीं सकता कुछ भी भगवान से
जिसने आप जैसा उपहार दिया और हमें आपसे मिलाया था

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

आज है इतवार, कुछ ख्वाहिशों का मौसम है,
सर जी के प्यार, आशीर्वाद की बारिशों का मौसम है

जलसा पर जलसा हुआ
उनके प्यार और आशीर्वाद का,
ये उनके और हमारे प्यार की नुमाइशों का मौसम है

हमारे दिल में वो और उनके दिल में हम बसते,
ये और कुछ नहीं रिहाइशों का मौसम है

रात रात भर और दिनों दिन इंतज़ार करते हम,
तो क्या हुआ, ये कुछ आज़माइशों का मौसम है

सब चाहते प्यार, हमें भी दे दो, बोलते सब,
आज है इतवार कुछ फरमाइशों का मौसम है
आज है इतवार, कुछ ख्वाहिशों का मौसम है,
सर जी के प्यार, आशीर्वाद की बारिशों का मौसम है

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



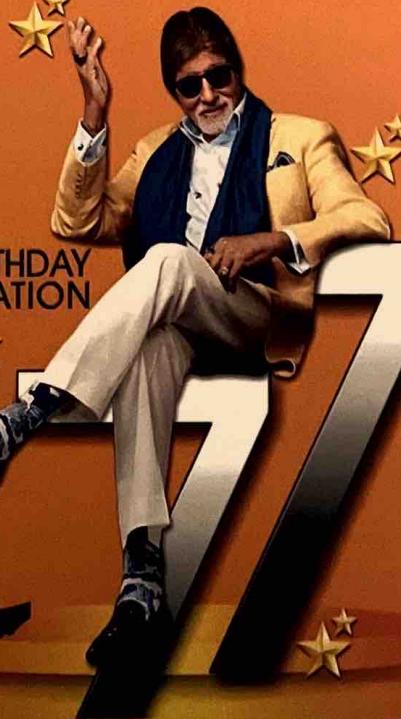
चाँद तारों से भी खूबसूरत तुम्हारा चेहरा
जाने कितनी दफ़ा मैंने दिल में उतारा चेहरा ☆☆
हमने ज़माने की नज़र से बचा के निहारा चेहरा
हैरान हैं वो जिन्होंने देखा आपको पहली बार
जिस बक्से आपने आईने में सँवारा चेहरा
मुझे कोई और चेहरा तो अब याद नहीं
कुछ नहीं चाहिए, ना कोई और गँवारा चेहरा
हम तो क्रसम से बस आहें ही भरते रहते
जब कभी प्यार से कर देता इशारा चेहरा ☆☆
जाने क्या क्या रूप बदले इसने समय के साथ
हर रूप रंग में विकास को लगता अच्छा प्यारा चेहरा
चाँद तारे छुप बादलों के पीछे करते प्यार की बारिश
देखने को रहते बेकरार जाने कितने, तुम्हारा चेहरा
चाँद तारों से भी खूबसूरत तुम्हारा चेहरा
जाने कितनी दफ़ा मैंने दिल में उतारा चेहरा
हमने ज़माने की नज़र से बचा के निहारा चेहरा

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



हमें उनका पल पल हर पल स्नेह मिला
सर जी को कोटि कोटि धन्यवाद

है ये जो जीवन जाने अनजाने
रोज़ होती मुलाकात, हो जाता मेल कहीं
असीम घ्यार कहाँ सीमाओं में रहता,
निभा लेना ये कोई खेल नहीं

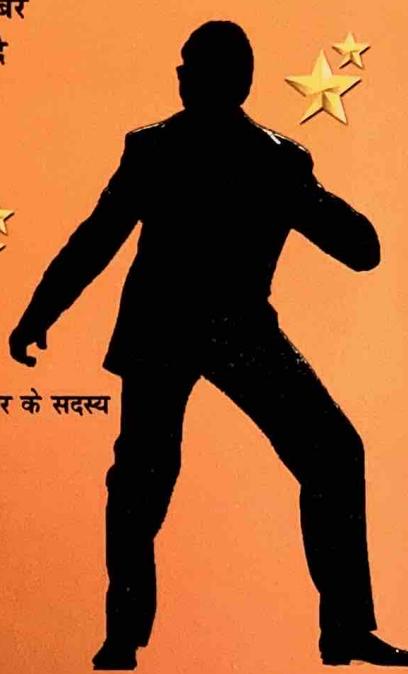
सुख दुख चलते बनके परछाई
चलती संग संग हमारे सर जी की याद
जिससे पल पल हर पल स्नेह मिला
सर जी को कोटि कोटि धन्यवाद

साँसे चलती, थमती, मद्दम मद्दम, ज़ोर ज़ोर
कभी हो जाता हारा हारा, शरीर में थकान
मिल जाते दो शब्द स्नेह, आशीर्वाद के
थकान भूल चेहरों पे आ जाती मुस्कान

हुआ न ऐसा कभी, कि न उनका साथ मिला
पूरी कर देते वो हमारी हर एक फ़रियाद
क्या करें ख़दा से शिकवा और क्या गिला
सर जी को कोटि कोटि धन्यवाद

आभारी है हम सब उनके
दे देते वो अपने स्नेह का प्रसाद
जिससे पल पल हर पल स्नेह मिला
सर जी को कोटि कोटि धन्यवाद

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

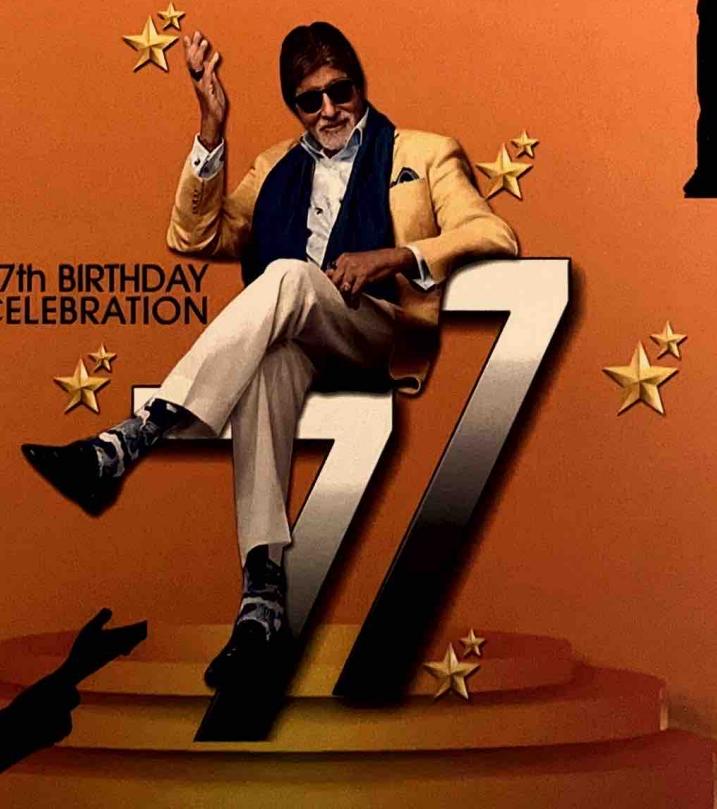


देख सकूँ उन्हें यहाँ से खुदा वो नज़र तो दे दे
दे दूं सब उसे जो मुझे उनकी खबर तो दे दे
हो फिर प्यार की बरसात और जड़े हाथ
मेरी दुआओं में या खुदा वो असर तो दे दे
क्या खूब है वो जो प्यार का लगाते हैं जलसा,
मेरे खुदा मेरी निगाहों को फिर वो मंज़र तो दे दे
कहाँ नहीं है वो और कहाँ नहीं है बातें उनकी
दूंठने निकला हूँ उन्हें खुदा मुझे सही डगर तो दे दे
कुछ ऐसा है मेरे और उनके दरम्यान रिश्ता प्यार का
न मिले, बैचैन हो जाता खुदा
मझे थोड़ा सबर तो दे दे
वो फैला रहे खुशबू प्यार की अपनी सब पर बराबर
मैं भी लेना चाहता वो खुदा मुझे वो इतर तो दे दे
देख सकूँ उन्हें यहाँ से खुदा वो नज़र तो दे दे
दे दूं सब उसे जो मुझे उनकी खबर तो दे दे

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

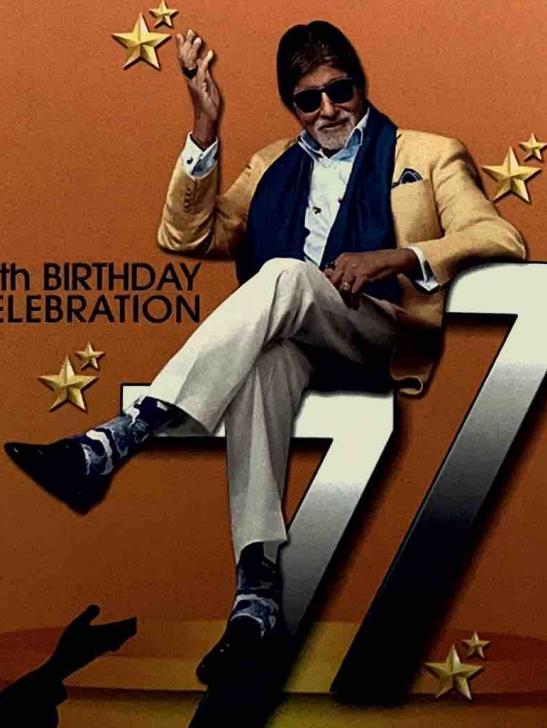


77th BIRTHDAY
CELEBRATION

हम हैं उसके, फिर भी अपना बनाता है कोई
भला इस क़दर प्यार से रिश्ता निभाता है कोई ?
लिखता है रोज़ प्यार भरी बातें,
हमें दिलों जान से चाहता है कोई
देता है शक्ति हमें और सही मार्गदर्शन भी
बाबू जी की प्यारी प्यारी कविता सुनाता है कोई
थकता नहीं वो, स्कता नहीं वो, झुकता नहीं वो,
हमें देखकर रोज़ मुस्कुराता है कोई
वो बातें, वो मुलाकातें और वो रातें कोई
चुपके से आकर दिल में बस जाता है कोई
लिखने पढ़ने के साथ चलता मिलने का सिलसिला
मिलता प्यार से और हाथ हिलाता है कोई
मैं हूँ उनका और बस उनका जानते हैं वो
मिलते ही गले लग जाता है कोई
कैसे बनते परिवार, बढ़ते परिवार जानते हैं वो
एक एक सदस्य के साथ जाता है कोई
हमने बहुत देखे वादा करके तोड़ने वाले
भला इस क़दर वादा अपना निभाता है कोई ?

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ !! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



जो कर ना सका कोई वो बात करके आया हूँ
आज मैं फिर एक नई शुरुवात करके आया हूँ

जागा हूँ दिन भर मैं बनाने को ज़िन्दगी बेहतर
मेहनत में गुज़ारा पल पल तब रात करके आया हूँ

नहीं, नहीं मैं, मैं मैं रहा, लेकर चला सबको साथ
सब जिये सुख चैन से ऐसे हालात करके आया हूँ

भीड़ है बहुत और भीड़ में खो जाता इंसान यहाँ
हो पहचान मेरी सबसे मुलाक़ात करके आया हूँ

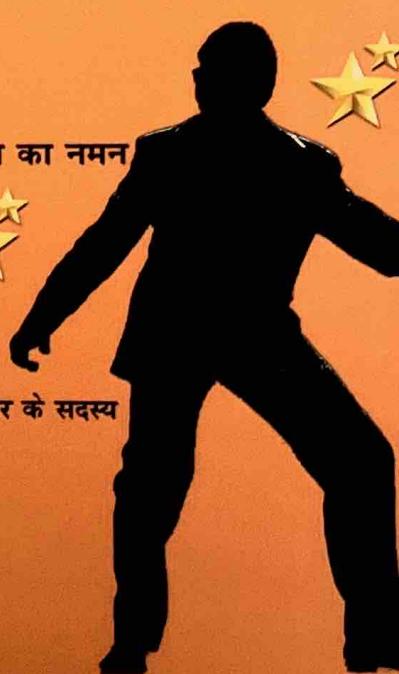
किसी को तो करना था ये काम, फिर मैं क्यों नहीं
न छोटा, न बड़ा, ख़त्म शब्द औकात करके आया हूँ

जो कर ना सका कोई वो बात करके आया हूँ
आज मैं फिर एक नई शुरुवात करके आया हूँ

जागा हूँ दिन भर मैं बनाने को ज़िन्दगी बेहतर
मेहनत में गुज़ारा पल पल तब रात करके आया हूँ

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



जो गिर कर खड़ा हो सकता है
ये ज़माना उसकी इज्जत करता है

होसलो से भी उड़ा जा सकता है
उड़ सकता वो जो हिम्मत करता है

गमो और मुश्किलों का नाम है ज़िन्दगी
जीता है वो ही जो जीने की शिद्दत करता है

फल उसको अच्छा मिल कर ही रहता है
जो जी जान से यहाँ मेहनत करता है

जीतने का जनूँ होना ज़स्ती है जीवन में
जीतता है वो ही जो हार से नफरत करता है

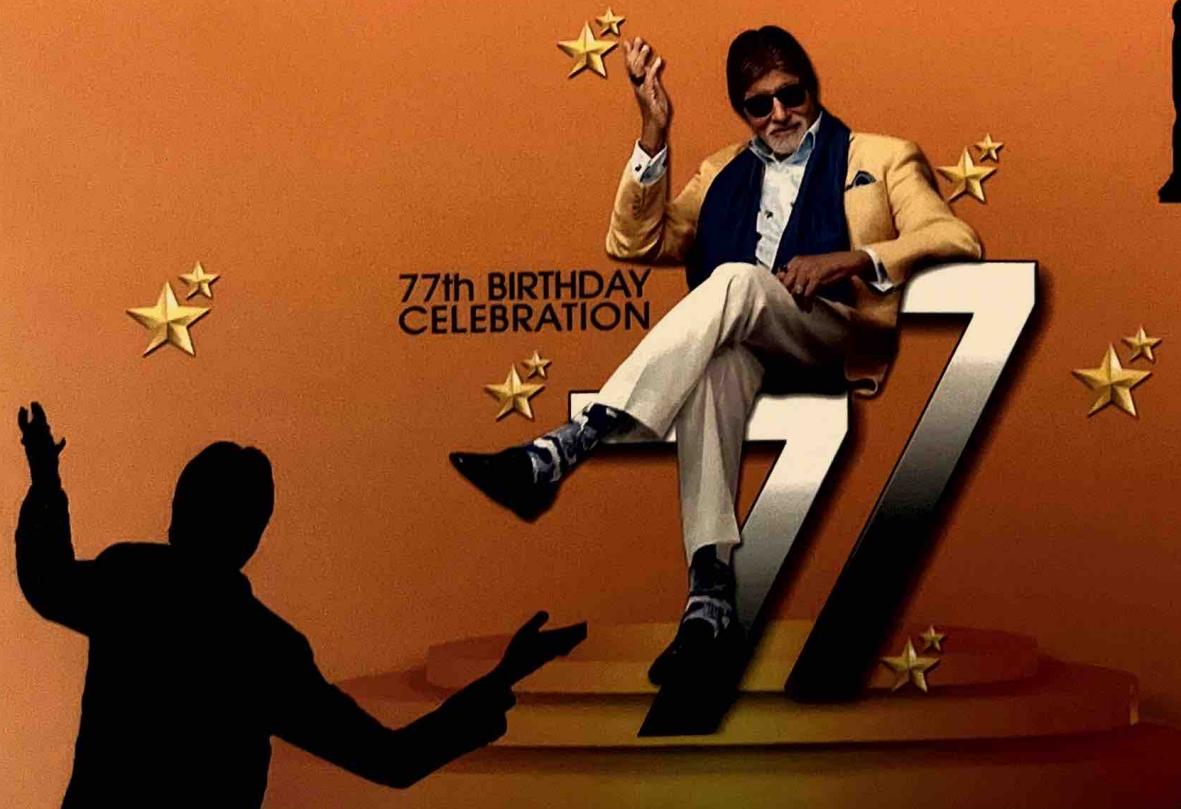
दिखा दी आपने हम सब को वो राह
लकीरों से नहीं हाथों से किस्मत बुलंद करता है

जो गिर कर खड़ा हो सकता है
ये ज़माना उसकी इज्जत करता है

सर जी की मेहनत, लगन और ज़ज्बे को हम सब का नमन

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ
७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



सर जी आप बहुत सुंदर और प्यारे हैं आप,
खुदा का शुक्र की हमारे है आप



उम्र तो सिर्फ एक संख्या है आपके लिए, उम्र का आप पर कोई असर नहीं
हर रूप, रंग में सुंदर लगते, जँचते हैं आप कि हटती हमारी नज़र नहीं

सकूँ देती नैनों को छवि आपकी, कर दे व्याकल आपकी एक झलक
हज़ारों होते एकत्रित रविवार के रविवार देखते बनती उनकी ललक



कार्य क्षमता आपकी करती प्रभावित, की हम उसका अनुसरण करना चाहें
करते प्यार हम सबसे बहुत आप करते स्वागत खोलकर अपनी बाहे

लिखते आप तो पढ़ते हम, पढ़ने को बेकरार रहते, बात दिल की आपसे कहते
बातचीत का सिलसिला रात दिन चलता, बन गये आप करोड़ों दिलों के चहते

सब कछ सूना सूना लगता बिन आपके, कटते नहीं हमारे दिन और रात
खबरों से भी रहते बेखबर, बेकार सब वो खबर जिसमें आपकी खबर नहीं

उम्र तो सिर्फ एक संख्या है आपके लिए, उम्र का आप पर कोई असर नहीं
हर रूप, रंग में सुंदर लगते, जँचते हैं आप कि हटती हमारी नज़र नहीं



बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION



शून्य में भी चेतना का पूर्ण एक आधार हो आप
हर सुखद अनुभूतियों में, बसा एक संसार हो आप
अग्नि प्रज्वलित हो चुकी, अब हम क्या बात करें
यज्ञ की सम्पूर्णता में, तेज़ बन कर साकार हो आप
जन्म जन्मों तक रहेगा, साथ हमारा और आपका
इन प्रचारित रीतियों का, बड़ा संसार हो आप
हम सब भटक रहे थे ज़िन्दगी की राह पर
पथ दिखते हम सब को, हमारे सूत्रधार हो आप
कुछ गढ़ा कुछ अनगढ़ा आकार है इन मूर्तियों का
अनगढ़ी इन मूर्तियों में प्रणय बन साकार हो आप
हमें कहाँ कोई सुध अपनी, बिन आपके सब सूना
हमारी चाहत, हमारी सांस, साज़ों, श्रृंगार हो आप
अपनाना चाहते हर एक बात रखते सरआँखों पर
वो खूबसूरत सी सीख और विचार हो आप
मैं कौन, वो कौन, ये कौन, सब बेनाम हैं बिन आपके
पहचान आप हमारी और हमारा परिवार हो आप
गुलमोहर की शीतल छाया, प्रतीक्षा का आनंद
जलसा दिलों में, जनक के अवतार हो आप
अभिमान हमारे, बँधे अटूट जंजीर से बंधन में
शहंशाह दिलों के, न गिरने वाली दीवार हो आप

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

दूर है आप कैसे हम ये स्वीकार करें
मन करता है हम रोज़ दीदार करें

हदे कहाँ होती है प्यार में जानते सब
मन करता और ज्यादा आपसे प्यार करें

बिछा दे पलके राहों में हम आपकी
सज़दा करें या फिर जाँ निसार करें 

हम इतने खुशकिस्मत की मिले आप
कैसे किस्मत पर अपनी ऐतबार करें

कैसे रिझाएँ आपको पल पल सोचते
रोज़ रोज़ नई योजनाएं हम तैयार करें

मिलना हो जो तो रोके से कहाँ स्वते
निकले सफ़र में सब बाधाएं पार करें

हिचकियाँ बता रही कि कर रहे याद आप
निवेदन आपसे न इतना आप विचार करें

दूर है आप कैसे हम ये स्वीकार करें
मन करता है हम रोज़ दीदार करें

हदे कहाँ होती है प्यार में जानते सब
मन करता और ज्यादा आपसे प्यार करें

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य
- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION

7

नहीं दिख रहा हमें अब ये तूफान थमता
गजब की दक्षता और आपकी कार्य क्षमता

यूँ ही नहीं आप करोड़ों लोगों की प्रेरणा
कूट कूट कर भरी है काम करने की तृष्णा

आयु तो जैसे बस एक संख्या मात्र है
पल पल में बदल जाते आपके पात्र हैं

चेहरे पर तेज़, होठों पर हँसी समेटे हुए
थकान नहीं दिखती, ताजगी लपेटे हुए

सेकंड, मिनट, घन्टे सबका करते सदृपयोग
इसी वजह से लग गया हमें प्यार का रोग

जो काम लिया हाथ में उसे आप छोड़ते नहीं
पूरी होती हमारी ख्वाहिश दिल तोड़ते नहीं

सर जी कमाल है आप, बेमिसाल है आप
सदियों तक दी जाने वाली मिसाल है आप

हर पल राह देखते आप हमारे मार्गदर्शक
आपको ७७वां जन्मदिवस बहुत बहुत मुबारक

भगवान भी यूँ ही नहीं किसी को शहंशाह चुनता

नहीं दिख रहा हमें अब ये तूफान थमता
गजब की दक्षता और आपकी कार्य क्षमता

बहुत बहुत प्यार और आभार के साथ

७७वें जन्मदिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएँ!! हम सभी विस्तारित परिवार के सदस्य

- विकास बंसल #ABEFTeam

77th BIRTHDAY
CELEBRATION





Ef **Vikas Bansal**
ABEFTeam

1939, Sector 28 Opp Shiv Shakti Mandir, Faridabad 121008 Haryana
Mobile : 9873555289 / 9810955586 • Twitter : @VikasbansalEF
E.mail : micky.bansal75@gmail.com

(FOR PRIVATE CIRCULATION HAVING NO COMMERCIAL VALUE)

DESIGN & CONCEPT : MITEN LAPSIYA